बाबा बालकनाथ मेरे पूरण कर दो काज | By Kumaar Mukesh

मेरे बाबा बालकंठा मेरे पूरण कर दो काज
तेरे दर पे लेकर के आया हूँ मैं फ़रियाद
तेरे दर पर लेकर आया बाबा एक फ़रियाद
मेरे बाबा बालकंठा मेरे पूरण कर दो काज

मेरा जोगी चिमटे वाला पूरी करता आस
सूनी गुफा में रहने वाला जाने दिल की बात
आओ बाबा दरस दिखाने आये तेरे द्वार
मेरे बाबा बालकंठा मेरे पूरण कर दो काज

सारे जग का पालनहारी तू ही तारणहारी'
दूधाधारी पौणाहारी तुझपे हम बलिहारी
रोतधी भरी थाल हैं लाये चरणों में तेरे आज
मेरे बाबा बालकंठा मेरे पूरण कर दो काज

घर घर तेरा डंका बाजे हे नाथो के नाथ
जो भी तेरा नाम सुमरता रहते उसके साथ
जो भी तेरी ज्योत जगाता पूरण होता काज
मेरे बाबा बालकंठा मेरे पूरण कर दो काज

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%95%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a5-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%aa%e0%a5%82%e0%a4%b0%e0%a4%a3-%e0%a4%95%e0%a4%b0/